

---

# Dhanadakritam Shiva Stotram

---

## धनदकृतं शिवस्तोत्रम्

---

### Document Information



---

Text title : Dhanadakritam Shiva Stotram

File name : dhanadakRRitaMshivastotram.itx

Category : shiva, brahmapurANa, stotra

Location : doc\_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : brahmapurANa | adhyAya 97/20-23||

Latest update : September 29, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 29, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

---

धनदकृतं शिवस्तोत्रम्

---



धनद उवाच ।

स्वामिंस्त्वमेवास्य चराचरस्य विश्वस्य शम्भो न परोऽस्ति कश्चित् ।  
त्वामप्यवज्ञाय यदीह मोहात्प्रगल्भते कोऽपि स शोच्य एव ॥ २० ॥

त्वमष्टमूर्त्या सकलं विभर्षि त्वदाज्ञया वर्तत एव सर्वम् ।  
तथाऽपि वेदेति बुधो भवन्तं न जात्वविद्वान्महिमा पुरातनम् ॥ २१ ॥

मलप्रसूतं यदवोचदम्बा हास्यात्सुतोऽयं तव देव शूरः ।  
त्वत्प्रेक्षिताद्यः स च विघ्नराजो जज्ञे त्वहो चेष्टितमीशदृष्टेः ॥ २२ ॥

अश्रुप्लुताङ्गी गिरिजा समीक्ष्य वियुक्तदाम्पत्यमितीशमूचे ।  
मनोभवोऽभून्मदनो रतिश्च सौभाग्यपूर्व(र्ण)त्वमवाप सोमात् ॥ २३ ॥

इति ब्रह्मपुराणे सप्तनवतितमाध्यायान्तर्गतं  
धनदकृतं शिवस्तोत्रं समाप्तम् ।

ब्रह्मपुराण । अध्याय ९७/२०-२३ ॥

brahmapurANa . adhyAya 97/20-23..

Proofread by PSA Easwaran

---

---

Dhanadakritam Shiva Stotram

pdf was typeset on September 29, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

